

संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दविस

संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दविस 29 मई को वशिव स्तर पर मनाया जाता है ।

- **2022 के लयि थीम:** लोग, शांति, प्रगतति: साझेदारी की शकृति

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना:

▪ परचिय:

- इसका आरंभ 1948 में कयिा गया था और इसने अपने पहले ही मशिन, 1948 में हुए अरब-इज़राइल युद्ध के दौरान युद्धवरिम का पालन करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाई थी ।
- संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना देशों को संघर्ष से शांति के कठनि रास्ते पर लाने में मदद करती है ।
- इसमें दुनिया भर से सैनिकों और पुलसि को तैनात करता है, उन्हें **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** तथा **महासभा** द्वारा नरिधारति जनादेशों की शृंखला को संबोधति करने के लयि नागरकि शांति सैनिकों के साथ एकीकृत कयिा जाता है ।

▪ संरचना:

- संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों (प्रायः बलू बेरेट या बलू हेलमेट के रूप में जाना जाता है कयोंकयिे हल्के नीले बेरेट या हेलमेट पहनते) **सैनिकों, पुलसि अधिकारियों और नागरकि कर्मयियों को** शामिल कयिा जा सकता है ।
- **सदसय राजयों द्वारा स्वैच्छकि आधार पर शांति सेना** का योगदान दयिा जाता है ।
- शांति अभियानों के नागरकि कर्मचारी अंतर्राष्ट्रीय सविलि सेवक हैं, जनिहें संयुक्त राष्ट्र सचवालय द्वारा भरृती और तैनात कयिा जाता है ।

▪ संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना और भारत:

- भारत **संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सैनय-योगदान देने वाले सबसे बड़े देशों में से एक** रहा है । नवंबर 2021 तक भारत कांगो लोकतांत्रकि गणराज्य (MONUSCO) में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थरीकरण मशिन में दूसरा सबसे बड़ा सैनय (1,888) और पाँचवाँ सबसे बड़ा (139) पुलसि योगदान देने वाला देश है ।
- वर्ष 1948 से दुनिया भर में स्थापति 71 संयुक्त राष्ट्र शांति मिशिनों में से 49 में 200,000 से अधिक भारतीयों ने सेवा दी है ।
- भारत में महिलाओं को यून शांति मिशिन में भेजने की लंबी परंपरा रही है ।
- वर्ष 2007 में भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशिन में एक महिला दल को तैनात करने वाला पहला देश बन गया ।
- शांति अभियानों के हसिसे के रूप में कई देशों में अपनी उपस्थति के बावजूद भारत ने श्रीनगर और इस्लामाबाद में मुख्यालय वाले एक समान मिशिन पर नयिमति रूप से अपनी नाराज़गी व्यकृत की है ।
 - भारत और पाकसितान में संयुक्त राष्ट्र सैनय पर्यवेकषक समूह (UNMOGIP) की स्थापना जनवरी 1949 में भारत और पाकसितान के बीच संघर्ष वरिम की नगिरानी के लयि की गई थी ।
 - भारत ने दोहराया है कजुलाई 1972 में भारत और पाकसितान द्वारा शमिला समझौते पर हस्ताक्षर कयि जाने और नयित्रण रेखा (LoC) की स्थापना के बाद मशिन ने "अपनी प्रसंगकिता खो दी है" ।

स्रोत: हदुस्तान टाइम्स